शुक्रवार
25 मार्च 2022

पृष्ठ 4

...तो आप को भी आएगी गहरी नींद

पृष्ठ 5

लॉकडाउन में अकेलेपन से लड़ने के लिए जैकलीन को लेनी पड़ी थी थेरेपी

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 57
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
– पं. मोतीलाल नेहरू

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दृष्टि पत्र पर धामी की दृष्टि क्यों?

विशेष संवाददाता

देहरादून। आम तौर पर चुनाव से पूर्व सभी राजनीतिक दलों को आपने चुनावी घोषणा पत्र जारी करते हुए फोटो खिंचवाते देखा होगा। यह पहला मर्तबा है कि जब किसी राज्य में चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री के साथ उनके मंत्री पार्टी का घोषणा पत्र हाथ में लेकर फोटो करा रहे हो। बीते कल यह नजारा राजधानी दून में देखने को मिला जो हैरान करने वाला था।

सरकार गठन के बाद कैबिनेट की पहली बैठक से पहले मुख्यमंत्री धामी ने अपने मंत्रियों को भाजपा का वह घोषणा पत्र जिसे चुनाव से पूर्व दृष्टि पत्र नाम से जारी किया गया था। इस दृष्टि पत्र में भाजपा द्वारा सैकड़ों छोटी-बड़ी ऐसी घोषणाएं की गई थी जो किसान, मजदूर, महिलाओं, युवाओं, उद्यमियों के कल्याण से जुड़ी हुई थी। भले ही अब तक इस तरह के चुनावी घोषणा पत्रों या दृष्टि पत्रों का महत्व सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहता रहा हो और चुनाव खत्म होने के बाद उसे रद्दी की टोकरी में फेंक दिया जाता हो लेकिन अब भाजपा इस नीति व रीति को बदलना चाहती है। मुख्यमंत्री धामी का सत्ता में आने के

बाद भी अपने मंत्रियों को इस दृष्टि पत्र का महत्व समझाया जाना इसी बात का संकेत है।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद

❑दृष्टि पत्र में छिपी है 2024 की सफलता
❑मुख्यमंत्री का दावा, करेंगे सभी वायदे पूरे

पुष्कर सिंह धामी लगातार इस बात को कह भी रहे हैं कि उन्होंने जनता से चुनाव के दौरान जो वायदे किए हैं उन सभी वायदों को पूरा किया जाएगा। दृष्टि पत्र पर पुष्कर सिंह धामी की इस दृष्टि को बेवजह नहीं माना जा सकता है उन्होंने पहले ही दिन अपने मंत्रियों को इस दृष्टि पत्र के जरिए यह साफ कर दिया है कि उन्हें करना क्या है? साथ ही वह जानते हैं कि उन्हें अगर हार के बाद भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया गया है तो किसलिए बैठाया गया है। भाजपा का अब अगला लक्ष्य 2024 का आम चुनाव है। भले ही विधानसभा चुनाव में मोदी व शाह ने प्रदेश में भाजपा की नैया को पार लगा दिया हो लेकिन 2024 के चुनाव की जिम्मेदारी अब धामी के कंधों पर है। यह उन्हे बखूबी यह पता है कि 2024 तक अगर वह अपने दृष्टि पत्र में किए गए वायदों को पूरा कर पाते हैं तो फिर भाजपा की राह आसान हो जाएगी इसलिए उनकी दृष्टि पहले ही दिन से दृष्टि पत्र पर जमी है। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर वह काम शुरू कर रहे हैं इसका संकेत भी वह दे चुके हैं। किसानों को उन्होंने हर महीने 6000 सम्मान राशि का वायदा किया है राज्य के हर परिवार को साल में तीन रसोई गैस सिलेंडर देने का वायदा किया है। ऐसे सैकड़ों वायदे हैं जो आम आदमी के सीधे लाभ से जुड़े हैं। देखना होगा कि 2024 तक कितने वायदों पर काम शुरू हो पाता है।

युवती की हत्या से दहला हरिद्वार

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार के कलियर में बीती रात एक गेस्ट हाउस में युवती की हत्या से हरिद्वार दहल गया है। भले ही इस मामले में आरोपी युवक को रंगे हाथों पकड़ा जा चुका हो और उसे जेल भेज दिया गया हो लेकिन इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर किए जाने वाले भड़काऊ और भद्दे-भद्दे कमेंट्स को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है।

उल्लेखनीय है कि बीती रात आठ बजे इस युवक को उस समय पकड़ लिया गया था जब वह एक सूटकेस में लड़की की लाश को ठिकाने लगाने के लिए ले जा रहा था। यह लड़का तीन घंटे पहले ही कलियर के एक होटल में पहुंचा था। आरोपी युवक द्वारा लड़की के आत्महत्या करने की बात कही जा रही थी लेकिन आरोपी की थ्यौरी पुलिस के गले नहीं उतरी और पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। लड़की की हत्या किन परिस्थितियों में हुई इसका खुलासा उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही हो सकेगा।

आरोपी युवक भले ही इसे प्रेम प्रसंग और सामाजिक तानों से तंग आकर की गई आत्महत्या बता रहा हो लेकिन लड़का

❑सोशल मीडिया पर भद्दे कमैंट्स की आई बाढ़

और लड़की का दो अलग-अलग संप्रदाय से होने तथा इस घटना पर सोशल मीडिया में किए जाने वाले कमैंट्स इतने अधिक भद्दे और भड़काऊ हैं कि कानून व्यवस्था को खराब कर सकते हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया में जिस तरह से कमेंटस् की बाढ़ आ गई है और अराजक तत्वों द्वारा भड़काऊ बातें लिखी जा रही है वह स्थिति की गंभीरता को बताने के लिए काफी है। किसी संप्रदाय विशेष के खिलाफ अराजक तत्वों द्वारा की जाने वाली हरकतों को लेकर पुलिस प्रशासन को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। यह ठीक है कि पुलिस प्रशासन अपना काम कर रहा है और कानून अपना काम करेगा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है तथा घटना की पूरी सच्चाई भी आने वाले समय में सामने आ जाएगी लेकिन अराजक तत्वों की सोशल मीडिया पर सक्रियता आग में घी डालने का काम कर रही है ऐसे असामाजिक तत्वों पर भी पुलिस को नजर रखने की जरूरत है।

पिछले 24 घंटों में देश के अंदर कोरोना के 1,685 नए मरीज सामने आए

नई दिल्ली। कोरोना महामारी का प्रकोप देश में अब कम होता दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की और से शुक्रवार को जो आंकड़े जारी किए गए है उनके मुताबिक, कोरोना वायरस संक्रमण के पिछले २४ घंटों में देश के अंदर १,६८५ नए मरीज सामने आए है। जबकि २,४६६ मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज हुए और ८३ लोगों की मौत हुई है। देश में कोरोना के कुल मामलों की संख्या ४,३०,१६,३७२ है। वहीं कुल रिकवरी ४,२४,७८,०८७ है। देश में कोरोना एक्टिव केसों की संख्या २१,५३० है। देश में कोरोना से हुई कुल मौतों का आंकड़ा ५,१६,७५५ है। वहीं १,८२,५५,७५,१२६ लोगों को कोरोना वैक्सीन की डोज लग चुकी है। राजधानी दिल्ली में पिछले २४ घंटों में १११ नए कोरोना वायरस के मामले सामने आए हैं। १४५ मरीज़ ठीक हुए और १ मरीज़ की मौत हुई। सक्रिय मामलों की संख्या ४५५ हैं। बीते २४ घंटे में मिजोरम में कोरोना वायरस के १७३ नए मामले सामने आए और कोरोना से एक की मौत हुई है। असम में पिछले २४ घंटों कोविड-१९ का १ मामला सामने आया। २ मरीज़ ठीक हुए और एक भी मौत दर्ज़ नहीं हुई है। एक्टिव मरीज १६ हैं।

पंजाब में एक विधायक, एक पैंशन का फार्मुला लागू होगा!

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी की नई सरकार नए-नए फैसले ले रही है। भगवंत मान सरकार ने शुक्रवार को एक ऐसा फैसला लिया है, जिसका असर सीधे राज्य के मौजूदा विधायकों और पूर्व विधायकों पर पड़ेगा। यह फैसला है एक विधायक एक पेंशन। यानी अब राज्य में एक व्यक्ति चाहें कितनी बार विधायक क्यों न चुना जाए, लेकिन उसे सरकार की ओर से मिलने वाली पेंशन केवल एकबार के कार्यकाल के लिए ही मिलेगी।

बता दें कि आम आदमी पार्टी के विधायकों ने विधायकों व पूर्व विधायकों को एक से अधिक मासिक पेंशन देने के विरोध में एक विधायक-एक पेंशन की मांग की है, जिसके मान सरकार ने अमल में लाने का प्रयास किया है। इस संबंध में बीते मंगलवार को आप विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विपक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में विधानसभा स्पीकर राणा के पी सिंह को एक ज्ञापन सौंपा था। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने मांग की थी कि एक से अधिक बार विधायक बनने वाले विधायकों/पूर्व विधायकों को एक से अधिक मासिक पेंशन का विरोध करते हुए कहा था कि वेतन वृद्धि आदि के नाम पर इस तरह का वित्तीय लाभ नैतिक और सैद्धांतिक रूप से गलत है। इसलिए एक विधायक को एक सरकारी कर्मचारी के समान पेंशन दी जानी चाहिए, चाहे वह कितनी भी बार विधायक रहा हो।

दून वैली मेल

संपादकीय

आगाज तो अच्छा है, अंजाम खुदा जाने

भले ही मुद्दा नया न सही लेकिन मुश्किल जरूर है, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में जिस यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने की बात कही थी अब सत्ता में आने पर उन्होंने इसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा है। कल अपनी कैबिनेट की पहली बैठक में उनके द्वारा राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया है। इसका ड्राफ्ट तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज की अध्यक्षता में समाज के विभिन्न वर्गों के जानकार लोगों की समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। यह अलग बात है कि कमेटी कब तक गठित होगी कब वह सरकार को अपनी रिपोर्ट देगी और कब सरकार उसे कानूनीजामा पहना पाएगी? और वह ऐसा करने में सफल होगी भी या नहीं? क्योंकि यह मामला अत्यंत ही पेचीदा है सभी धर्मों के लिए एक ही तरह का कानून हो यह सुनने में बहुत आसान लगता है लेकिन जिस देश या प्रदेश में तमाम धर्मों के लोग रहते हो और वह अपने-अपने धर्मों की परंपराओं तथा रीति-रिवाजों के हिसाब से जीते रहे हो उन्हें कानून बनाकर एक जैसा करने पर बाध्य करना आसान नहीं है देश में मुस्लिम, ईसाईयों व पारसियों द्वारा अपने पर्सनल ला के अनुसार चलने की व्यवस्था है जबकि जैन, बौद्ध, सिख और हिंदुओं के लिए हिंदू सिविल लॉ काम करता है। यूनिफॉर्म सिविल कोड भाजपा के एजेंडे का 1989 से ही रहा है जब उसने इसे पहली बार अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया था। खास बात यह है कि तब से लेकर अब तक भाजपा किसी भी राज्य में ऐसा नहीं कर पाई है। जबकि केंद्र से लेकर राज्यों तक उसकी सरकारे रही है ऐसे में पुष्कर सिंह धामी के लिए राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करना बड़ी चुनौती वाला काम है। यह ठीक है कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्यों को समान नागरिक कानून लागू करने का अधिकार देता है और कानूनविदों की राय में इसमें कोई बुराई नहीं है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री अपनी सांस्कृतिक सभ्यता के संरक्षण के लिए इसे जरूरी मानते हैं प्रदेश में बढ़ रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन को वह भविष्य के लिए बड़ा खतरा मानते हैं और इसे रोकने के लिए समान नागरिक संहिता को एक कारगर उपाय के रूप में देख रहे हैं। इसके लागू होने पर सरकार विवाह, तलाक, संपत्तियों के अधिकार व उत्तराधिकार संबंधी मामलों पर नजर रख सकेगी। मुख्यमंत्री की यह पहल कितनी सार्थक होती है यह सवाल सबसे अहम है। 2017 में जब त्रिवेंद्र सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने सत्ता संभाली थी उन्होंने भी भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात की थी तथा 100 दिनों में लोकायुक्त गठन का इरादा जताया था लेकिन 5 साल बीतने के बाद भी नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा था इसलिए देखना होगा कि धामी का यूनिफॉर्म सिविल कोड किस मुकाम तक पहुंच पाता है। हां उनकी पहल जरूर सराहनीय कही जा सकती है।

संकल्प, विकल्प और मजबूरी की प्रतिज्ञा

रमेश जोशी

जैसे ही महात्मा गांधी के संदर्भ पर शालीनता की दावेदार पार्टी के दोरंगे आचरण पर हमारा प्रवचन समाप्त हुआ तो तोताराम ने कहा-मास्टर, कर्म किसी के और माथाफोड़ी हमारी? छोड़ अब। आज नहीं तो कल समय सबसे हिसाब लेता है।

न कोई रहा है न कोई रहेगा।

चाय ही बनवा ले, सिर दर्द होने लगा है। लेकिन ध्यान रखना, ग्रीन टी मत बनवाना। हमने कहा, हमारे यहां तो वही 'अमृत महोत्सव चाय' आती है, खुल्ली। अब वह चाय के रंग जैसी चाय है। हरी तो नहीं ही है, हो सकता है कभी न कभी हरी रही हो। वैसे भी हमारा रंगों की राजनीति से कोई संबंध नहीं है। कोई कुछ भी रंगों का हिन्दू-मुसलमान करे लेकिन धरती तो हरी और आसमान नीला ही अच्छा लगता है। हालांकि, मोदी जी की तरह हमारा मनपसंद रंग भी भगवा ही है लेकिन क्या करें भगवा रंग की कोई चाय बाज़ार में मिलती ही नहीं है। हो सकता है मार्च में जब उत्तर प्रदेश में भाजपा फिर भरपूर सीटें ले आये तो योगी जी चाय का रंग भगवा करवा दें। तब भगवा रंग की चाय ले आया करेंगे। फिलहाल तो वही चाय है जो तू पिछले कई दशकों से पीता आ रहा है। लेकिन आज यह ग्रीन टी वाला क्या मामला है? बोला-तुझे पता नहीं, राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष पूनिया जी ने कहा है कि कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ने तक साफा नहीं पहनूंगा और शाम का खाना नहीं खाऊंगा। सो मैंने भी कठोर 'पूनिया-प्रतिज्ञा' की तरह भीषण 'शर्मा-संकल्प' लिया है कि जब तक पूनिया जी कांग्रेस को उखाड़ नहीं देते तब तक मैं ग्रीन टी नहीं पीऊंगा। हमने कहा, पूनिया जी का क्या है? वैसे भी साफा उनकी ड्रेस में नहीं है और खाने का क्या है, शाम को नहीं तो जैनियों की तरह सूर्यास्त से पहले ही खा लिया करेंगे लेकिन ग्रीन टी के बिना तेरी पार कैसे पड़ेगी। कभी पी है ग्रीन टी? यह तो चरणदास चोर जैसी प्रतिज्ञा है कि हाथी पर नहीं बैठूंगा, सोने के बर्तनों में खाना नहीं खाऊंगा और रानी के संग नहीं सोऊंगा। चल, जैसे पूनिया जी ने दो प्रतिज्ञाएं की हैं वैसे ही कोई एक और कठोर संकल्प तो ले। बोला, तो फिर सुन ले मैं कांग्रेस के उखड़ने तक अपने लिए कोई एयर फ़ोर्स वन जैसा निजी प्लेन नहीं खरीदूंगा। हमने कहा, तो फिर कोई बात नहीं। अब चाहे कांग्रेस उखड़े या नहीं लेकिन तेरा संकल्प भंग होने की कभी कोई संभावना नहीं है। ऐसा प्लेन तो अडानी-अम्बानी के पास भी नहीं है। बोला, ऐसे प्लेन कोई अपने खर्च से नहीं खरीदता। ये दंड तो जनता के पैसे पर ही पेले जाते हैं।

विपक्षी राजनीति का क्या होगा?

अजीत द्विवेदी

अब अचानक सारी चीजें थम गई हैं। विपक्षी मोर्चे का पहला मुकाम राष्ट्रपति का चुनाव होने वाला था, जिसका खेला अब खत्म हो गया है। पांच में से चार राज्यों में भाजपा को मिली जीत के बाद विपक्ष की उम्मीदें खत्म हैं। विपक्षी नेताओं की ओर से की जा रही पहल का निष्कर्ष यह था कि अगर भाजपा उत्तर प्रदेश में चुनाव हारती तो विपक्ष का एक साझा उम्मीदवार उतारा जाता। पांच राज्यों में हुए हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्षी पार्टियां गजब राजनीति करती दिख रही थीं। जो पार्टियां इन पांच राज्यों में चुनाव लड़ रही थीं उनको छोड़ कर बाकी प्रादेशिक पार्टियों के नेता जबरदस्त भागदौड़ कर रहे थे। ममता बनर्जी, एमके स्टालिन, के चंद्रशेखर राव, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव आदि प्रादेशिक क्षत्रपों का इन पांच राज्यों में कुछ भी दांव पर नहीं लगा था लेकिन इनके नतीजों से पहले ये सारे नेता विपक्ष का मोर्चा बनाने या भाजपा विरोधी राजनीति के दांव-पेंच में लगे थे। ममता दिल्ली-मुंबई की दौड़ लगा रही थीं तो चंद्रशेखर राव दिल्ली-मुंबई-रांची की दौड़ लगा रहे थे। केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संघीय मोर्चा बन रहा था और दिल्ली या हैदराबाद में विपक्षी मुख्यमंत्रियों की बैठक होने वाली थी। राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का साझा उम्मीदवार तय किया जाना था। लेकिन अब अचानक सारी चीजें थम गई हैं।

पांच राज्यों में हुए हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्षी पार्टियां गजब राजनीति करती दिख रही थीं। जो पार्टियां इन पांच राज्यों में चुनाव लड़ रही थीं उनको छोड़ कर बाकी प्रादेशिक पार्टियों के नेता जबरदस्त भागदौड़ कर रहे थे। ममता बनर्जी, एमके स्टालिन, के चंद्रशेखर राव, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव आदि प्रादेशिक क्षत्रपों का इन पांच राज्यों में कुछ भी दांव पर नहीं लगा था लेकिन इनके नतीजों से पहले ये सारे नेता विपक्ष का मोर्चा बनाने या भाजपा विरोधी राजनीति के दांव-पेंच में लगे थे। ममता दिल्ली-मुंबई की दौड़ लगा रही थीं तो चंद्रशेखर राव दिल्ली-मुंबई-रांची की दौड़ लगा रहे थे। केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संघीय मोर्चा बन रहा था और दिल्ली या हैदराबाद में विपक्षी मुख्यमंत्रियों की बैठक होने वाली थी। राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का साझा उम्मीदवार तय किया जाना था। लेकिन अब अचानक सारी चीजें थम गई हैं।

विपक्षी मोर्चे का पहला मुकाम राष्ट्रपति का चुनाव होने वाला था, जिसका खेला अब खत्म हो गया है। पांच में से चार राज्यों में भाजपा को मिली जीत के बाद विपक्ष की उम्मीदें खत्म हैं। विपक्षी नेताओं की ओर से की जा रही पहल का निष्कर्ष यह था कि अगर भाजपा उत्तर प्रदेश में चुनाव हारती तो विपक्ष का एक साझा उम्मीदवार उतारा जाता। शरद पवार को साझा उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा था। लेकिन उत्तर प्रदेश में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। देश में उसके अपने विधायकों की संख्या 1,543 है और दोनों संसद के दोनों सदनों में उसके सदस्यों की संख्या चार सौ है। अगर उसकी सहयोगी पार्टियों के विधायकों और सांसदों की संख्या जोड़ दें तो राष्ट्रपति चुनने वाले इलेक्टोरल कॉलेज में भाजपा के पास 4० से 45 फीसदी तक वोट हो जाते हैं। उसके बाद जिस राज्य या समूह के व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया जाता है उसका वोट आमतौर पर मिल जाता है। सो, भाजपा बहुत आसानी से राष्ट्रपति के अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित कर लेगी।

इसके बाद विपक्ष का दूसरा प्रयास राज्यों के अधिकारों के अतिक्रमण के खिलाफ एक संघीय मोर्चा बनाने का है। यह एक बड़ा मुद्दा है और दक्षिण भारत के राज्यों ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और उनके वित्त मंत्री ने इस मसले पर विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की है। जीएसटी में राज्यों का हिस्सा कम होने या मुआवजे की समय सीमा दो साल और बढ़ाने का मसला संसद के चालू बजट सत्र में भी विपक्षी पार्टियों ने उठाया है। इसके अलावा केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी घटने और बीएसएफ का दायरा राज्यों के अंदर 5० किलोमीटर तक करने के मामले में भी राज्यों में एकजुटता है। ऐसा लग रहा था कि संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू होते ही विपक्षी मुख्यमंत्रियों की बैठक दिल्ली में होगी लेकिन पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद इस मसले पर भी पार्टियां सुस्त पड़ गई हैं।

तीसरा प्रयास भाजपा के खिलाफ एक साझा राजनीतिक मोर्चा बनाने का है। इसकी पहल कैसे होगी और कौन करेगा यह यक्ष प्रश्न है। कांग्रेस पार्टी अंदरूनी कलह से जूझ रही है। पार्टी के नेता आलाकमान से अलग बैठकें कर रहे हैं और पार्टी में बड़ी टूट का अंदेशा भी जताया जा रहा है। अगर अगले दो-तीन महीने में कांग्रेस अपने को संभालती है और अगस्त से पहले तक पार्टी एक पूर्णकालिक अध्यक्ष का चुनाव करके संगठन को मजबूत करती है फिर उम्मीद की जा सकती है कि कांग्रेस विपक्षी मोर्चा बनाने की पहल का केंद्र रहेगी। हालांकि तब भी यह आसान नहीं होगा क्योंकि कई प्रादेशिक पार्टियां कांग्रेस के साथ सहज महसूस नहीं कर रही हैं। कम से कम दो प्रादेशिक क्षत्रपों- ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की महत्वाकांक्षा इतनी बड़ी हो गई है कि किसी भी दूसरी पार्टी का नेतृत्व स्वीकार करने में इनको दिक्कत होगी।

अगर कांग्रेस की बजाय विपक्षी मोर्चा बनाने की पहल कहीं और से होती है, जैसे प्रशांत किशोर पहल करते हैं तो वह एक बड़ा प्रयास होगा लेकिन उसमें कांग्रेस के शामिल होने पर संदेह रहेगा। अभी तक का इतिहास रहा है कि चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस तीसरे मोर्चे की सरकार को समर्थन देती रही लेकिन चुनाव से पहले किसी तीसरे मोर्चे की पार्टियों के पीछे चलने का कांग्रेस का इतिहास नहीं रहा है। अब भी यह संभव नहीं लग रहा है कि वह किसी ऐसे मोर्चे का हिस्सा बनेगी, जिसकी कमान उसके हाथ में न रहे। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि विपक्ष का एक साझा मोर्चा कैसे बनेगा? अगले कुछ दिनों में कांग्रेस का संगठन चुनाव हो जाएगा, जिसके बाद संभावना है कि राहुल गांधी अध्यक्ष बनेंगे। उसके बाद कांग्रेस चाहेगी कि कांग्रेस की कमान में राहुल के चेहरे पर चुनाव हो। दूसरी ओर मोदी बनाम ममता और मोदी बनाम केजरीवाल की तैयारी अलग चल रही है।

अब तक का इतिहास रहा है कि चुनाव दो बड़ी पार्टियों या बड़ी ताकतों के बीच होता है। जब कांग्रेस भारतीय राजनीति की केंद्रीय ताकत थी तब भी उसका मुकाबला दूसरी बड़ी ताकत से होता था। किसी एक या दो राज्य का नेता चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो वह राजनीति की केंद्रीय ताकत को चुनौती नहीं दे सकता है। कांग्रेस के शीर्ष पर रहते विपक्ष में अनेक चमत्कारिक नेता हुए और राज्यों में भी कई करिश्माई नेता रहे लेकिन वे कांग्रेस को चुनौती नहीं दे सके। वैसे ही अभी किसी राज्य में कोई कितना भी चमत्कारिक नेता क्यों न हो वह भाजपा और नरेंद्र मोदी को चुनौती नहीं दे सकता है। ध्यान रहे आम चुनाव सिर्फ चेहरों का चुनाव नहीं होता है। वह विचारधारा और संगठन का भी चुनाव होता है। भाजपा को चुनौती देने वाली विचारधारा अब भी कांग्रेस के पास है और संगठन के लिहाज से भी भाजपा विरोधी स्पेस का प्रतिनिधित्व कांग्रेस ही कर रही है। इसलिए अगले दो साल में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजे चाहे जो आएं, कांग्रेस अपने दम पर और अपने बचे हुए सहयोगियों को साथ लेकर भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। राज्यों के प्रादेशिक क्षत्रपों का एक मोर्चा अलग बन सकता है, जो मुख्य रूप से उन राज्यों में होगा, जहां कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला नहीं है। अगर प्रशांत किशोर कांग्रेस और प्रादेशिक क्षत्रपों के मोर्चे का रणनीतिक तालमेल कराने और सीटों के एडजस्टमेंट में कामयाब होते हैं तो चुनाव दिलचस्प होगा।

यज्ञायज्ञा वो अग्नये गिरागिरा च दक्षसे।
प्रप्र वयममृतं जातवेदसं प्रियं मित्रं न शंसिषम्।।

(ऋग्वेद ६-४८-१)

हे मनुष्य ! तुम यज्ञनिक कर्म और ज्ञान की वाणी द्वारा परमेश्वर की आराधना करो। इससे तुम्हें ऊर्जा और ज्ञान की प्राप्ति होगी। अजर अमर परमेश्वर हमारा सबसे प्रिय मित्र है, जो हमारे ज्ञान की वृद्धि करता है और हमें उत्तम कर्म करने की प्रेरणा देता है।

O People ! You worship the Supreme Lord through your Yajnik deeds and the voice of knowledge. This will give you energy and knowledge. Ageless and immortal, God is our dear friend who increases our knowledge and inspires us to do good deeds. (Rig Veda 6-48-1)

शराब के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सात पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मसूरी थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान लक्ष्मण पुरी तिराह लण्ढौर पर एक स्कार्पियो कार को रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार से सात पेटी शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम चैन सिंह पुत्र गुलाब सिह निवासी कैम्पटी रोड मसूरी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

ट्रक की टक्कर से बाईक सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फतेहपुर पूर्व हर्बटपुर निवासी करन अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ जा रहा था जब वह झाडोवाला चौक के पास पहुंचा तभी तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह सडक पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के भाई सुभाष की तहरीर पर ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चोरों ने मन्दिर का दानपात्र चुराया

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने शिव मन्दिर से दानपात्र चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मावाला शिव मन्दिर के पुजारी पण्डित राजेन्द्र बहुगुणा ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज प्रात: जब धार्मावाला स्थित शिव मन्दिर में पहुंचा तो उस ने देखा कि मन्दिर का दानपात्र गायब था जिसमें काफी पैसा पडा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डाबर बनी प्लास्टिक वेस्ट न्यूट्रल कम्पनी

संवाददाता

देहरादून। डाबर के एक्जक्टिव डायरेक्टर ऑपरेशन्स शाहरूख ए खान ने बताया कि डाबर ने प्रोडक्ट पैकेजिग के बराबर 100 फीसदी प्लास्टिक वेस्ट को रीसायकल किया है।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए खान ने कहा कि भारत की विज्ञान आधारित आयुर्वेद कम्पनी डाबर इण्डिया अब सौ फीसदी प्लास्टिक न्यूट्रल कम्पनी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि कम्पनी ने वित्तिय वर्ष के दौरान देश से लगभग 27 हजार मीट्रिक टन प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित कर इसे प्रोसेस और रीसायकल किया है। उन्होंने कहा कि कम्पनी आज उतनी ही मात्रा में प्लास्टिक वेस्ट को एकत्रित कर इसे प्रोसेस एवं रीसायकल करती है जितनी मात्रा में यह साल भर में अपने प्रोडक्स की पैकेजिग के तौर पर बेचती है इस तरह कम्पनी सौ फीसदी प्लास्टिक वेस्ट न्यूट्रल कम्पनी बन चुकी है।

द कश्मीर फाईल्सः पण्डितों को दोबारा बसाने की हिम्मत किसी सरकार ने नहीं दिखायी?

संवाददाता

देहरादून। कश्मीरी पण्डितों को कश्मीर से भागकर जम्मू में शरण लेनी पडी लेकिन बीते 32 सालों में किसी भी सरकार ने उनको दोबारा वहां पर बसाने की हिम्मत नहीं दिखायी? घटना पर फिल्म बनाने मात्र से उनकी पीडा को दूर नहीं किया जा सकता।

हाल ही में कश्मीरी पण्डितों की पीडा को बयां करती फिल्म कश्मीर फाइल्स सिनेमा घरों में प्रकाशित हुई और उस फिल्म को देखकर लोगों ने काफी दुख व्यक्त किया। यही नहीं नेता व मंत्री भी इस फिल्म को देखकर बयानबाजी करने से पीछे नहीं हट रहे हैं तो वहीं दूसरा पक्ष इस फिल्म के माध्यम से उनको बदनाम करने की बात कह रहे हैं। फिल्म में दिखे किरदार और असल में जो हुआ यह दोनों अलग हैं। कश्मीर में रहने वाले पण्डित वहां पर अपना एक रसूख रखते थे तथा उनकी उस जमाने में वहां पर करोडों रूपये की सम्पत्ति थी जिसको उन्हें छोडकर भागना पडा तथा जम्मू में टैटों के अन्दर रहकर अपनी जान बचाने को मजबूर होना पडा। यह क्यूं हुआ इसके बारे में कोई चर्चा करने को तैयार नहीं है। उस समय की केन्द्र में जनता दल की सरकार थी तथा विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री थे। लेकिन इस घटना के बाद सरकार ने बस कश्मीरी पण्डितों को जम्मू में बसाने की व्यवस्था कर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर दी। लेकिन उनको कश्मीर में बसाने के बारे में कोई मंथन नहीं किया। उसके बाद भी केन्द्र में कांग्रेस व भाजपा की सरकारें रही है लेकिन उन्होंने भी इस बारे में कोई योजना नहीं बनायी? यही नहीं कश्मीर में मुख्यमंत्री भी काग्रेस के ही थे तो फिर क्यों नहीं केन्द्र सरकार प्रदेश सरकार पर दबाव बनाकर कश्मीरी पण्डितों को दोबारा कश्मीर में बसाने की योजना बना सकी? क्या वहां पर अलगाववाद इतना हावी है कि प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकारें उनके सामने नतमस्तक रहे। अगर ऐसा है तो फिल्म देखकर रोककर दिखाना बेकार है। फिल्म देखकर निकले और दो आंसू बहाकर जनता को दिखा दिया कि उनको कितना दुख पहुंचा है? यह सब बेमानी है। इस फिल्म को देखने के बाद किसी भी दल के नेता ने कोई ऐसा बयान अभी तक नहीं दिया कि कश्मीरी पण्डितों को वहां पर दोबारा बसाया जायेगा तथा उनकी छीनी गयी सम्पत्ति उनको वापस दिलायी जायेगी। केन्द्र में बैठकर धारा 370 हटाना इस समस्या का हल नहीं है? वहां से आतंक को समाप्त करना सबसे बडी समस्या है। धारा 370 तो हटा दी लेकिन उसके बाद वहां पर कितने लोग जाकर बसे हैं इसपर अभी तक सरकार ने कोई मंथन किया या फिर इस बाद के लिए कोई समीति बनायी कि वह इस बात पर नजर रखे कि धारा 370 हटने के बाद कितने बाहरी लोगों ने जमीन खरीदी या मकान बनाये हैं? यह मुद्दा फिल्म बनाने से खत्म नहीं होने वाला इसके लिए ध रातल पर कोई ठोस योजना बनायी जाये तथा कश्मीरी पण्डितों को दोबारा उनका सम्मान मिले ऐसा कुछ करना होगा?

मारपीट में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। पेट्राल पम्प पर मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार केदारवाला सहसपुर निवासी शाहरूख ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने मित्र के साथ पेट्रोल पम्प पर गया था वहां पर पेट्रोल डलवाने को लेकर उनका कुछ लोगों से विवाद हो गया और तभी सात-आठ लोग वहां पर आये और उसके व उसके मित्र के साथ मारपीट कर उनको घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सौगान के पेड़ काट रहे दो वन तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सागौन के बेशकीमती पेड़ काट रहे वन तस्करों को वनकर्मियों ने काटे गये पांच सौगान के पेड़ों सहित गिरफ्तार कर लिया है। वन तस्करों का एक साथी फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज हरिद्वार वन प्रभाग को सूचना मिली कि सिडकुल के नवोदय नगर में कुछ वन तस्करों द्वारा पांच सौगान के पेड़ काट दिये गये है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए वन कर्मियों द्वारा मौके पर पहुंच कर दो वन तस्करों को दबोच लिया गया। हालांकि अफरा तफरी का फायदा उठाते हुए एक वन तस्कर फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

लघु व्यापार एसोसिएशन 28 को मिलेंगे मुख्य नगर आयुक्त से

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन २८ मार्च को सभी लघु व्यापारी प्रतिनिधि साथियों सहित मुख्य नगर आयुक्त को अपनी 05 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को संगठित किए हुए लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में लघु व्यापार एसो. की सभी क्षेत्रीय इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ मुख्य कार्यालय कंधारी धर्मशाला में आवश्यक बैठक आहूत की गई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री दिलीप गुप्ता ने किया, बैठक में तय किया गया कि राज्य में नई सरकार का गठन हो चुका है इसी को ध्यान में रखते हुए हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र के उत्तरी हरिद्वार के पूर्व के प्रस्तावित तीन वेंडिंग जोन के साथ बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, हर की पौड़ी, पुल जटवाड़ा, सेक्टर टू बैरियल, कनखल बंगाली मोड़, न्यू मंडी सीतापुर सभी वेंडिंग जोन में स्थापन की कार्रवाई को लेकर 28 मार्च को सभी लघु व्यापारी प्रतिनिधि साथियों सहित मुख्य नगर आयुक्त को संबोधित अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अपनी 05 सूत्री मांगों को दोहराएंगे। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा बस अड्डा, रेलवे स्टेशन के आसपास के फुटपाथ के कारोबारी लघु व्यापारियों को उनके कारोबारी स्थानों से वंचित किया जा रहा है जो कि राज्य फेरी नीति नियमावली का घोर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि हर की पौड़ी, उत्तरी हरिद्वार भूपतवाला, खड़खड़ी, भीमगोडा, सप्त ऋषि इत्यादि क्षेत्रों के चयनित वेंडिंग जोन में स्थापन की कार्रवाई का विलंब किया जाना न्याय संगत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पुल जटवाड़ा के सभी लघु व्यापारियों का सर्वे किया जा चुका है लेकिन स्थानीय लघु व्यापारियों को उचित स्थान ना मिलने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संजय चोपड़ा ने यह भी कहा अपनी 05 सूत्री मांगों को लेकर 28 मार्च को सामूहिक रूप से सभी लघु व्यापारी अपनी न्यायसंगत मांगों के समर्थन में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के संरक्षण की मांग को दोहराएंगे। लघु व्यापारियों की बैठक को संबोधित करते महामंत्री मनोज मंडल, कोषा अध्यक्ष जय सिंह बिष्ट, जय भगवान, विजेंद्र कुमार, चुन्नू चौधरी, हरपाल सिंह, राहुल सक्सेना, विजय गुप्ता, लालचंद, भोला यादव, कामिनी मिश्रा, पुष्पा दास, सुनीता चौहान, मंजू पाल आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

चोट दोनों तरफ है

यूरोपीय देशों ने प्रतिबंध लगाते समय ये कोशिश की है कि तेल-गैस के आयात पर ज्यादा फर्क ना पड़े। लेकिन अगर जवाबी कार्रवाई में रूस ने ही निर्यात रोक दिया, तो उनके हाथ बंध जाएंगे। रूस ने चेतावनी दी है कि रूसी तेल का बहिष्कार करने से अंतरराष्ट्रीय बाजार को बेहद गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

अमेरिका में प्राकृतिक गैस की कीमत में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। आने वाले दिनों में इसमें वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। स्पष्टत: यह अमेरिका सरकार के रूस से तेल और गैस आयात रोकने के फैसले का परिणाम है। यानी उस फैसले की कीमत अमेरिकी जनता को अपनी जेब से चुकानी पड़ रही है। उधर रूस ने पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों पर पलटवार की चेतावनी भी दी है। कहा है कि वह खुद पर लगे प्रतिबंधों की विस्तृत प्रतिक्रिया तैयार कर रहा है। उसके उठाए कदमों का असर पश्चिमी देश वहां महसूस करेंगे, जो उनके सबसे संवेदनशील पक्ष हैं। यानी एक दूसरे को क्षति पहुंचाने की एक होड़ लग गई है। यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस की करीब-करीब समूची वित्तीय और कॉर्पोरेट व्यवस्था पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। तेल और गैस उद्योग पर लगे प्रतिबंधों की ज्यादा चुभन यूरोप को महसूस होगी, हालांकि फौरी असर अमेरिका पर भी हुआ है। वैसे तो अमेरिका ऊर्जा के मामले में आत्म निर्भर है। लेकिन रूस से अचानक तेल और गैस का आयात रोक देने से बाजार में अचानक आपूर्ति घट गई है। लाजिमी तौर पर उसका बाजार पर बहुत खराब असर हुआ है। आखिर अमेरिका को अपने तेल और गैस का उत्पादन बढ़ाने में समय लगेगा। अमेरिका में तेल और गैस का उत्पादन का 2019 में रिकॉर्ड बना था। लेकिन कोरोना महामारी के दौरान इसमें भारी गिरावट आई। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक अभी देश में जितने तेल और गैस को निकाला जा रहा है, वह 2019 से कम है। खबरों के मुताबिक अमेरिका का तेल उद्योग सप्लाई चेन में रुकावट और श्रमिकों की कमी की समस्या का सामना कर रहा है। ऐसे में तेज गति से उत्पादन बढ़ाना बहुत मुश्किल है। रूस का कहना है कि यूरोप सालाना 50 करोड़ टन तेल का इस्तेमाल करता है। इसका लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा रूस निर्यात करता है। साथ ही वह आठ करोड़ टन पेट्रोकेमिकल का भी निर्यात करता है। यूरोपीय देशों ने प्रतिबंध लगाते समय ये कोशिश की है कि इन चीजों के आयात पर ज्यादा फर्क ना पड़े। लेकिन अगर जवाबी कार्रवाई में रूस ने ही निर्यात रोक दिया, तो उनके हाथ बंध जाएंगे। रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने चेतावनी दी है कि रूसी तेल का बहिष्कार करने से अंतरराष्ट्रीय बाजार को बेहद गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।(आरएनएस)

जन जागरूकता और स्मार्ट व काहिल पार्टियां

सहीराम

नहीं, नहीं, उनकी तैयारी की बात नहीं है। उनकी तैयारी तो पूरी थी ही। जिन्हें यह डर था कि शायद बहुमत न मिले, उनके सूटकेस तैयार थे और जिन्हें अपने जीते हुए विधायकों को शिकारियों से बचाए रखना था, उनके रिजॉर्ट तैयार थे। हालांकि नौबत किसी की भी नहीं आयी। एक इस माने में तो देश की जनता अवश्य ही जागरूक हो गयी है कि अब वह त्रिशंकु की तरह हवा में लटकती विधानसभा नहीं चुनती। अब आधी-अधूरी सरकार नहीं बनाती। पूरी बनाकर देती है। लगता है उसे भी घोड़ामंडी का सजना पसंद नहीं है। वैसे भी जब जनता ही मंडी और बाजार जाने के काबिल नहीं रही तो वह पार्टियों और नेताओं को भी क्यों इस काबिल रखे। लेकिन बाद में अगर ऐसी सरकार टूटती है तो उसका न तो इल्जाम जनता पर लगाया जा सकता है और न उसका श्रेय जनता को दिया जा सकता है। जनता की भूमिका खत्म हो चुकी होती है। अगर इल्जाम ही लगना है तो जिनकी सरकार टूटी, उस पार्टी की काहिली पर लगाया जा सकता है और श्रेय देना है तो सरकार को तोड़नेवाली पार्टी की चंटई को दिया जा सकता है।

असल में अब पार्टियों का श्रेणीकरण कुछ इस तरह होना चाहिए कि फलां-फलां पार्टियां काहिल और फलां-फलां पार्टियां चंट-चालाक हैं। स्मार्ट सिटी तो चाहे न बनी हों पर कुछ पार्टियां जरूर स्मार्ट हो गयीं। बताते हैं कि जो पहले स्मार्ट थीं, वे काहिल हो गयीं और जो पहले कायल थी वे स्मार्ट हो गयीं। यह सुनकर सेठ लोग चुपके-चुपके हंसते हैं कि देखो न हमें कोई इल्जाम दे रहा और न ही हमें कोई श्रेय दे रहा है।

खैर, हम तो उस तैयारी की बात ही नहीं कर रहे। हम तो उस तैयारी की बात कर रहे हैं जिसका बड़े जोर-शोर से आह्वान किया जा रहा था कि टैंक फुल करवा लो-पेट्रोल और डीजल महंगा होने वाला है। गैस का सिलेंडर भरवा लो, गैस महंगी होने वाली है। पता नहीं, हो सकता है कि बुल्डोजर वालों ने अपने टैंक फुल करवा रखे हों। अब साइकिल तो साहब तेल से चलती नहीं और झाड़ू लगाने के लिए भी शरीर का तेल तो निकाला जा सकता है, पर टैंक फुल करवाने की जरूरत नहीं होती।

हाथी को भी टैंक फुल करवाने की जरूरत नहीं रहती, पर भैया पेट तो भरा होना चाहिए। अब हाथी का पेट तो भरा या नहीं, पता नहीं, पर सांड का पेट जरूर भरा होगा। क्योंकि लगता है किसान सो गया था। हालांकि आह्वान तो जागते रहने का ही था, पर भैया प्रेमचंद तो बहुत पहले पूस की रात कहानी में बता गए कि जरा-सी गर्मी मिलते ही नींद पर कहां काबू रहता है। पूस की रात के जमाने से लेकर आज तक किसानों की फसलों को आवारा जानवर यूं ही चरते रहे हैं। जो भी हो, आपने टैंक फुल कराया या नहीं। अभी अगर तेल की कीमतें बढ़ी नहीं हैं तो यह मत समझना कि बढ़ेंगी नहीं।

...तो आप को भी आएगी गहरी नींद

एक तंदुरुस्त इंसान के लिए 5-6 घंटे की नींद काफी है, जबकि छोटे बच्चों के लिए 10-12 घंटे की नींद जरूरी होती है. बुजुर्गों के लिए 4-5 घंटे की नींद भी काफी है.

रात में अच्छी नींद न आने से कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है. आंखों के नीचे काले घेरे, खर्राटे, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी, निर्णय लेने में दिक्कत, पेट की गड़बड़ी, उदासी, थकान जैसी परेशानियां सिर उठा सकती हैं.

नींद न आने के कारण

नींद न आने के बहुत से कारण हो सकते हैं जैसे चिंता, तनाव, निराशा, रोजगार से जुड़ी परेशानियां, मानसिक और भावनात्मक असुरक्षा वगैरह.

इस के अलावा तय समय पर न सोना, चाय या कौफी का ज्यादा सेवन, कोई तकलीफ या बीमारी, देर से खाना या भूखा सो जाना, देर रात तक टीवी, इंटरनैट और मोबाइल फोन से चिपके रहना, दिन भर कोई काम न करना आदि कारण भी अनिद्रा की वजह बन सकते हैं.

कैसे आएगी मीठी नींद

– जिन्हें दिन में बारबार चाय या कौफी पीने की आदत होती है वे रात में जल्दी नहीं सो पाते. चाय या कौफी में मौजूद कैफीन नींद में बाधा पैदा करती है, इसलिए खास कर सोने से तुरंत पहले इन का सेवन कतई नहीं करना चाहिए.

– अगर आप दिमागी रूप से किसी बात को ले कर परेशान हैं और कोई फैसला नहीं कर पा रहे हैं, तो आप की नींद डिस्टर्ब हो सकती है. ऐसे में आप को उस बारे में सोचना छोड़ना होगा. अच्छी नींद के लिए दिमाग का शांत होना बहुत जरूरी है.

सामान्य से हटकर इन तरीकों से पहनें साड़ी, लगेंगी बहुत ही खूबसूरत

कई महिलाएं साड़ी पहनना काफी पसंद करती हैं क्योंकि इससे उन्हें ट्रेडिशनल और एलिगेंट लुक मिलता है। हालांकि, क्या आप एक तरीके से साड़ी पहन पहनकर थक चुकी हैं? अगर हां तो आज का हमारा लेख आपके लिए है। आइए आज हम आपको चार तरह से साड़ी को पहनने का तरीका बताते हैं, जिन्हें आप बहुत ही आसानी से बांध सकती हैं और अपने लुक को और भी ज्यादा खूबसूरत बना सकती हैं।

बंगाली स्टाइल में पहनें साड़ी : इसके लिए सबसे पहले सामान्य से अधिक लंबा पल्लू लें और उसे अपने बाएं कंधे पर रखें, फिर पल्लू के अंतिम कोने को दाहिने हाथ के नीचे अपने दाहिने कंधे पर ले जाएं और उन्हें जगह पर पिन करें। इसके बाद दाहिनी ओर से साड़ी की पलटें बनाना शुरू करें और बाकि बचे साड़ी के हिस्से को अपनी चारों तरफ से अंदर कर लें। इस तरह से आप बहुत ही आसानी से बंगाली स्टाइल साड़ी पहन सकती हैं।

महाराष्ट्रीयन स्टाइल में जचेगी साड़ी: सबसे पहले साड़ी को दो भागों में बांट लें और बायीं ओर से इसका हिस्सा कम रखें, फिर इन हिस्सों के किनारों से गांठ बांध लें। इसके बाद साड़ी के बाएं हिस्से को अपने बाएं पैर के नीचे लाएं और इसकी पलटें बनाकर साड़ी के अंदर डाल दें। फिर साड़ी के सामने वाले हिस्से को अपने दाहिने पैर के नीचे लें और इसकी भी पलटें बनाकर साड़ी में डालें। अब साड़ी के पल्लू को सेट करें।

मरमेड स्टाइल साड़ी बांधना है बहुत आसान: सबसे पहले साड़ी के एक किनारे को दाहिनी ओर से अंदर करें, फिर साड़ी को अपनी चारों तरफ एक बार लपेटें। फिर साड़ी के पल्लू की पलटें बनाएं और इसे कंधे पर रखें और साड़ी के बीच के हिस्से की पलटें बनाकर साड़ी में डालें। अगर आप चाहते हैं कि आपकी साड़ी की पलटें लंबे समय तक इसी तरह सेट रहे तो इस पर सेफ्टी पिन लगाएं। आप चाहें तो साड़ी ब्रॉच भी लगा सकते हैं।

रेट्रो स्टाइल साड़ी में लगेंगी खूबसूरत: इस स्टाइल में साड़ी पहनने के लिए सबसे पहले एक पैरों को चौड़ा करें, फिर साड़ी के एक किनारे को दाहिनी ओर से साड़ी के अंदर करें। अब दूसरी तरफ से साड़ी को एक बार लपेटें, फिर नीचे की तरफ से साड़ी को इस तरह लपेटें, जिस तरह गोल सीडियां होती हैं। इसके बाद साड़ी के पल्लू की पलटें बनाकर कंधे पर रखें और इस पर एक सेफ्टी पिन लगाएं ताकि पलटें खराब न हो।

शब्द सामर्थ्य - 74

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

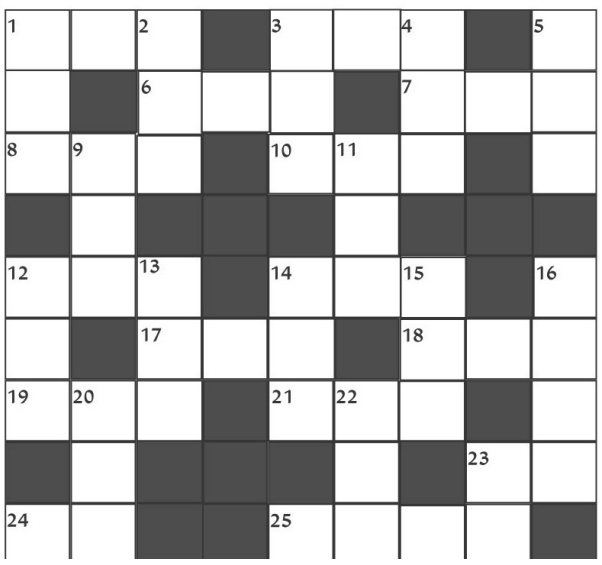

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 73 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म शर्माजी नमकीन ओटीटी पर होगी रिलीज

दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म शर्माजी नमकीन ओटीटी पर 31 मार्च को रिलीज होगी। आत्म-साक्षात्कार और खोज के विषयों पर आधारित, शर्माजी नमकीन सेवानिवृत्त हुए एक व्यक्ति की कहानी बताती है, जो एक दंगाई महिलाओं के किटी सर्कल में शामिल होने के बाद खाना पकाने के अपने जुनून का पता लगाता है।

हितेश भाटिया द्वारा निर्देशित फिल्म में जूही चावला, सुहैल नैयर, तारुक रैना, सतीश कौशिक, शीबा चड्ढा और ईशा तलवार के साथ परेश रावल भी हैं। यह पहली हिंदी फिल्म है जहां दो अभिनेता-ऋषि कपूर और परेश रावल-एक साथ एक किरदार निभाते दिखाई देंगे।

प्राइम वीडियो पर 31 मार्च को प्रीमियर होने वाली इस फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हनी त्रेहान और मैकगफिन पिक्च र्स के अभिषेक चौबे के सहयोग से किया है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट के को-फाउंडर रितेश सिधवानी ने कहा कि एक्सेल में, हमने हमेशा सबसे अव्यवस्थित कहानियों को पेश करने और यादगार और दिल को छू लेने वाले किरदारों को जीवंत करने पर ध्यान केंद्रित किया है। शर्माजी नमकीन एक अनूठी कहानी है।

उन्होंने कहा कि यह फिल्म ऋषि कपूर के स्टारडम के लिए एक श्रद्धांजलि है। हम इस महाकाव्य पारिवारिक मनोरंजन के लिए महान अभिनेता, दिवंगत ऋषि कपूर के साथ काम करने के लिए विनम्र और आभारी हैं, जो उनका आखिरी ऑन-स्क्रीन चित्रण है।

रूहानियत में कॉलेज गर्ल की भूमिका निभाएंगी गीतिका महेन्द्रू

बॉलिवुड अभिनेता शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म जर्सी में अभिनेत्री गीतिका महंदरू एक पत्रकार की भूमिका निभाएंगी।

अब, छोटी सरदारनी की अभिनेत्री एमएक्स प्लेयर पर नई वेब सीरीज रूहानियत में नजर आने वाली हैं। इसका पहला प्रोमो जारी किया जा चुका है।

उन्होंने कहा, आखिरकार रूहानियत मेरी पहली वेब सीरीज है। मैं हमेशा वेब में अपनी किस्मत आजमाना चाहती थी और अब जब यह रिलीज होने जा रही है, तो मुझे यकीन ही नहीं हो रहा हैं। मैं जो किरदार निभा रही हूं, उसके कारण यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बहुत खास है।

उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार गौरी एक कॉलेज की लड़की है जो अपनी उम्र से ज्यादा परिपक्व है। वह एक ऐसे परिवार से आती है जहां उसके माता-पिता तलाकशुदा हैं और अलग-अलग हैं। दर्शक यह देखने वाले हैं कि उसे कैसे एहसास होगा कि प्यार का मतलब एक दूसरे का सम्मान करना होता है।

1 जुलाई को रिलीज होगी आदित्य रॉय कपूर की फिल्म ओम-द बैटल विदिन

अभिनेता आदित्य रॉय कपूर की फिल्म 'ओम- द बेटल विदइन' की रिलीज डेट मेकर्स ने तय हो गई। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। यह फिल्म इसी साल एक जुलाई को रिलीज होगी। इसकी जानकारी खुद आदित्य रॉय कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए दी है।

आदित्य रॉय कपूर ने लिखा-ओम! 1 जुलाई 2022 को दुनिया भर के सिनेमा स्क्रीन पर धमाका करने के लिए तैयार है। ओम-द बैटल विदइन! फिल्म के इस नए पोस्टर में आदित्य रॉय कपूर के हाथ में हथियार और वह काफी गुस्से और जोश में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उनकी जबरदस्त बॉडी हर किसी का ध्यान खींच रही है।

इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। ओम-द बैटल विदइन की घोषणा दिसंबर 2020 में हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री संजना सांघी भी लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म 'ओम' फिल्म 1 जुलाई 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी जिसे कपिल वर्मा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को जी स्टूडियोज, अहमद खान और शायरा खान प्रड्यूस कर रहे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लॉकडाउन में अकेलेपन से लड़ने के लिए जैकलीन को लेनी पड़ी थी थेरेपी

कोरोना वायरस की महामारी ने मानसिक स्वास्थ्य की परेशानियों को बढ़ाया है। सोशल डिस्टैंसिंग जैसी परिस्थितियों ने लोगों को अलग-थलग कर दिया था। कई लोगों को इस महामारी के दौरान अकेलेपन से गुजरना पड़ा था। अब मशहूर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने खुलासा किया है कि पहले लॉकडाउन में अकेलेपन के कारण उन्हें थेरेपी लेनी पड़ी थी। शिल्पा शेट्टी के चैट शो शेप ऑफ यू में उन्होंने अपनी आपबीती बताई है।

जैकलीन ने शिल्पा को बताया कि 2020 में पहले लॉकडाउन के दौरान उन्हें जिस अकेलेपन का सामना करना पड़ा, उससे लड़ने के लिए उन्हें थेरेपी की मदद लेनी पड़ी। उन्होंने कहा, महामारी के दौरान पहले लॉकडाउन में 2020 में मुझे एहसास हुआ कि मैं अकेलेपन से घिरी हूं। मुझे लगता है कि हममें से बहुत से लोग इससे गुजरे हैं। लोगों को नहीं पता था कि उनके साथ क्या हो रहा है और लोग बहुत भ्रमित हो गए थे।

जैकलीन ने आगे कहा कि लोगों ने इस महामारी में बहुत कुछ खो दिया। इस अभिनेत्री ने बताया, इस दौरान लोगों ने अपने लोगों को गंवाया। उनकी नौकरियां चली गईं। मुझे एहसास हुआ कि मैं शायद अकेलेपन से गुजर रही थी और ऐसे बहुत से लोग हैं, जो एक शहर में अकेले रहते हैं। उनके साथ उनका परिवार नहीं रहता है। दोस्तों या परिवार वालों में नहीं दिखाना चाहती थी कि मैं अकेली हूं और संघर्ष कर रही हूं।

अकेलेपन की समस्याओं से गुजरने के बाद जैकलीन ने एक थेरेपिस्ट की मदद ली। जैकलीन ने अपनी परेशानियां उन्हें बताई और फिर उन्हें इस समस्या से निजात मिली। अभिनेत्री ने लोगों को अकेलेपन की चिंता हावी होने पर थेरेपिस्ट से परामर्श लेने की सलाह दी है। उन्होंने इसको लेकर कहा, लोग ऐसा मानते हैं कि थेरेपी बेकार की चीज होती है। वे सोचते हैं कि थेरेपिस्ट से क्या बात करेंगे, क्या कहेंगे।

जैकलीन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें कई फिल्मों में देखा जा सकता है। अटैक में वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्य राज आनंद कर रहे हैं। जैकलीन निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस का भी हिस्सा हैं। रणवीर सिंह और पूजा हेगड़े इस फिल्म में दिखेंगे। इसके अलावा वह फिल्म बच्चन पांडे में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह अभिनेता अक्षय कुमार के साथ नजर आने वाली हैं।

तनु वेड्स मनु 3 पर काम जारी, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कंगना के इर्द-गिर्द घूमेगी कहानी

अगर आपने फिल्म तनु वेड्स मनु देखी होगी तो इसके अगले पार्ट का आपको बेसब्री से इंतजार होगा। फिल्म में कंगना रनौत ने मुख्य भूमिका निभाई थी और इसके लिए खूब तारीफें भी बटोरी थीं। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी का दूसरा पार्ट तनु वेड्स मनु रिटर्न्स आया और अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक कंगना के प्रशंसक फूले नहीं समाएंगे। दरअसल, फिल्म का तीसरा पार्ट बनने जा रहा है।

तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब ने भी अपने काम से खूब वाहवाही बटोरी थी।

उन्होंने तीसरे पार्ट पर बात की और बताया, फिल्म के राइटर हिमांशु शर्मा कंगना और मेरे किरदार के इर्द-गिर्द कहानी बुनने की कोशिश कर रहे हैं। वह अभी इस पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कुछ फाइनल नहीं किया है, लेकिन कंगना और मुझे केंद्र पर रखकर ही फिल्म पर काम किया जा रहा है।

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तनु वेड्स मनु का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। पहले पार्ट में कंगना, माधवन, जिमी शेरगिल, दीपक डोबरियाल, एजाज खान और स्वरा भास्कर थीं। यह फिल्म 25 फरवरी, 2011 को रिलीज हुई थी। दूसरा पार्ट तनु वेड्स मनु रिटर्न्स 22 मई, 2015 को दर्शकों के बीच आया। फिल्म से पुराने कलाकारों के अलावा कई नए कलाकार जुड़े, जिसमें जीशान भी शामिल थे।

जीशान ने फिल्म में एडवोकेट अरुण उर्फ चिंटू कुमार सिंह की भूमिका निभाई और अपने उम्दा अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की रीढ़ भले ही इसकी कहानी हो, लेकिन कलाकारों ने अपने किरदारों को जिस कदर जीवंत किया, वह इसके प्राण हैं। कंगना से जब 2019 में तनु वेड्स मनु 3 पर बात की गई थी तो उन्होंने जवाब दिया था, मैं खुद इसे लेकर बेहद उत्साहित हूं। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। सालों पहले एक इंटरव्यू में फिल्म में पप्पी जी का किरदार निभाने वाले दीपक डोबिरयाल ने कहा था, हर कोई तनु वेड्स मनु 3 की मांग कर रहा है। मुझे इससे जुड़कर बहुत खुशी होगी। फिलहाल आनंद कुछ और कर रहे हैं। इसके बाद ही तीसरा पार्ट बनेगा।

अमेजन प्राइम वीडियो की हिट सीरीज तांडव में शिव शेखर बने जीशान से जब दूसरे सीजन पर बात हुई तो उन्होंने कहा, मुझे तांडव 2 के साथ लौटकर खुशी होगी, लेकिन मैंने अभी तांडव के दूसरे सीजन के बारे में कुछ नहीं सुना है।

मैं चाहती हूं कि द कश्मीर फाइल्स से मेरे किरदार से हर भारतीय नफरत करे: पल्लवी जोशी

द कश्मीर फाइल्स की निर्माता और इसके प्रमुख किरदारों में से एक की भूमिका निभाने वाली पल्लवी जोशी ने कहा है कि इस फिल्म में उनकी भूमिका काफी चुनौतीपूर्ण रही। पुरस्कार विजेता फिल्म और टेलीविजन अभिनेत्री ने जेएनयू की प्रोफेसर राधिका मेनन की भूमिका निभाई है, जो अपने छात्रों को आजाद कश्मीर के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करती है।

यह पूछे जाने पर कि उन्होंने इस भूमिका को क्यों चुना, जोशी ने कहा, जब मैं कश्मीरी पंडितों से उनके आघात के बारे में बात कर रही थी, तो मैं उस खलनायक को समझ सकती थी, जिसे वे घूर रहे थे। फिर मैंने इस किरदार को करने और इतनी जोरदार तरीके से भूमिका निभाने का मन बना लिया कि हर भारतीय को इस किरदार से नफरत हो जाए।

वह द कश्मीर फाइल्स की बाकी टीम के साथ राजधानी में मीडिया को संबोधित कर रही थीं।

माना जा रहा है कि बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका अरुंधति रॉय की भूमिका पल्लवी जोशी निभाती नजर आईं हैं। उन्हें फिल्म में यह घोषणा करते हुए सुना जाता है, कश्मीर कभी भी भारत का अभिन्न अंग नहीं रहा है और यह एक ऐतिहासिक तथ्य है। अगर इंडिया ब्रिटेन से अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ सकती है तो कश्मीर क्यों नहीं?

यह पूछे जाने पर कि क्या यह किरदार विश्वविद्यालय को बदनाम कर रहा है, निदेशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा, रिसर्च करें और गूगल से जानकारी लें, आपको जवाब मिल जाएगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध : रूस का रासायनिक अस्त्र

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

रूस ने यूक्रेन पर जैविक और रासायनिक हमले की व्यापक तैयारी का आरोप हुए दावा किया है कि यूक्रेन की कम से कम तीस प्रयोगशालाओं में अमेरिका की सहायता से रोगजनक सूक्ष्म जीव तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें हथियार की तरह उपयोग कर रूस को बड़ा नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

रूस ने इसे लेकर आगामी दिनों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक भी बुलाई है।

दरअसल, अविभाजित सोवियत संघ में बड़े पैमाने पर जैविक हथियार बनाने के कार्यक्रम चलाए गए थे और इसके लिए कुछ महत्त्वपूर्ण केंद्र यूक्रेन में भी स्थापित थे। यूक्रेन में पब्लिक हेल्थ के लिए काम करने वाली ऐसी कई प्रयोगशालाएं हैं, जहां दुनिया की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए शोध किया जाता है, और इसमें अमेरिका एक प्रमुख सहयोगी है। यूक्रेन जैविक और रासायनिक हथियारों के निर्माण के रूस के आरोप को दुष्प्रचार बता रहा है, वहीं रूस ने अपने दावे को सही ठहराने वाले मजबूत दस्तावेज होने की बात कही है। इन सबके बीच चीन ने भी अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह जैव-सैन्य योजनाओं का संचालन करने की व्यापक योजनाओं पर काम कर रहा है।

यूक्रेन की सरकार के मुताबिक देश में ऐसे लैब मौजूद हैं, जहां वैज्ञानिकों ने वैध ढंग से लोगों को कोविड-19 जैसी बीमारियों से बचाने के लिए काम किया है। लेकिन ऐसे समय जब यूक्रेन में युद्ध छिड़ा हुआ है तब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यूक्रेन से कहा है कि अपनी लैब में मौजूद किसी तरह के खतरनाक पेथोजेन नष्ट करे। रूस यूक्रेन संघर्ष के बीच आशंका बढ़ गई है कि रूस यूक्रेन की खतरनाक प्रयोगशालों को नष्ट करने के बहाने रासायनिक हथियारों का उपयोग कर सकता है। रूस की सेनाएं यूक्रेन को घेर चुकी हैं, और वह निर्णायक सफलता हासिल करने के लिए ऐसा कदम उठा सकती है। रूस के पास व्यापक रासायनिक और जैविक हथियार हैं, और इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता।

रूस का जैविक हथियारों को उत्पन्न करने का इतिहास 100 साल पुराना है, और उसने इसका उपयोग द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन सेना को रोकने के लिए उसके खिलाफ भी किया था। 1928 में जैविक युद्ध के लिए सोवियत संघ की तैयारियों पर सैन्य और नौसेना मामलों के लिए उच्च स्तर पर एक महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट तैयार की। इसने जोर देकर कहा कि जीवाणु विकल्प को युद्ध में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया जा सकता है, और सोवियत सैन्य जीवाणु विज्ञान के संगठन के लिए एक योजना का प्रस्ताव दिया था। 1967 में एक विशेष सोवियत चिकित्सा दल द्वारा भारत से लाया गया था जिसे वायरस को मिटाने में मदद करने के लिए भारत भेजा गया था। रूस द्वारा रोगजनक का निर्माण और भंडार 1970 और 1980 के दशक में बड़ी मात्रा में किया गया था। 1980 के दशक में सोवियत कृषि मंत्रालय ने सफलतापूर्वक पैर और मुंह की बीमारी और गायों के खिलाफ रिंडरपेस्ट, सूअरों के लिए अफ्रीकी स्वाइन बुखार और चिकन को मारने के लिए साइटाकोसिस के रूप जीवाणु विकसित किए। इन एजेंटों को सैकड़ों मील की दूरी पर हवाई जहाज से जुड़े टैंकों से दुश्मन के खेतों पर छिड़कने के लिए तैयार किया गया था। माना जाता है कि रूस ने 1990 के दशक में सद्दाम हुसैन को चेचक उपलब्ध कराया था जिसका उपयोग दुश्मनों पर कर सकें।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन अन्य राष्ट्राध्यक्षों से इसलिए भी अलग हैं क्योंकि वे केजीबी के अधिकारी रहे हैं। माना जाता है कि गुप्तचर अपने राष्ट्र हित के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। पुतिन पर अपने कार्यकाल के दौरान प्रतिद्वंद्वियों पर जैविक और रासायनिक हथियारों का उपयोग करने के आरोप लगते रहे हैं। 2018 में सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास डूमा शहर में कथित रासायनिक हमले में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी जिसमें कुछ बच्चे सांस लेने के लिए जूझते हुए नजर आ रहे थे। इस घटना ने सभी को सकते में डाल दिया। इस हमले के लिए सीरिया में बशर अल-असद सरकार को जिम्मेदार मानते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने मिलकर सीरिया के कुछ ठिकानों पर मिसाइलों से हमला कर दिया था जबकि सीरिया के सहयोगी रूस ने इन हमलों का विरोध किया था।

पुतिन की नीतियों के आलोचक नवेलनी को नोविचोक नर्व एजेंट से निशाना बनाया गया था, हालांकि वे बच निकले थे। रूस की सीक्रेट सर्विस के एजेंटों एलेक्जेंडर और लित्वीनेंको पर रेडियोएक्टिव पोलोनियम से 2006 में हमला हुआ था जबकि सर्गेई स्क्रीपाल को जहरीले नर्व एजेंट नोविचोक से 2018 में निशाना बनाया गया था। दुनियाभर में 190 देशों ने वैश्विक रासायनिक हथियार कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए हैं, इनमें रूस शामिल हैं। इसके बाद भी नवेलनी को जिस जहर से मरने की कोशिश की पुष्टि जर्मनी की सरकार ने की, वह रूस में ही 1970-80 के बीच विकसित हुआ था। नोविचोक नर्व एजेंट रासायनिक पदार्थ है, जिसे रूस की खुफिया एजेंसी अपने दुश्मनों के खिलाफ अचूक हथियार की तरह उपयोग करती रही है। इससे बचना नामुमकिन है।

इसके साथ ही केमिकल गैस के प्रभाव बेहद घातक होते हैं, और यह सामूहिक विनाश का कारण बन सकती है। स्नायु तंत्र को प्रभावित करती है, और इसकी पहचान करना भी आसान नहीं है। इसलिए इससे बचाव भी नहीं किया जा सकता और प्रभावित की मौत महज 15 मिनट के अंदर हो सकती है। इसी श्रृंखला में मर्स्टड गैस, मर्स्टड नाइट्रोजन और लिवि साइट जैसे रासायनिक तत्व भी आते हैं। फॉसजेन भी बहुत खतरनाक है, और इसके संपर्क में आते ही इंसान की सांस फूल जाती है, कफ बनने लगता है, और नाक बहने लगती है। यूक्रेन के पास जैविक या रासायनिक हथियार हों या न हों लेकिन रूस के पास इसका भारी जखीरा है। वह किसी भी स्तर पर इसका उपयोग कर सकता है। जाहिर है कि जैविक या रासायनिक हथियारों का सैन्य उपयोग बड़ी मानवीय आपदा और भारी संकट पैदा कर सकता है।

अपनी फिल्म छतरी वाली की डबिंग कर रहीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह एक्टर और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर लाइमलाइट में बनी रहती है। हाल ही में दोनों वेकेशन पर गए थे। इसके अलावा भी दोनों कई जगह एकसाथ स्पॉट किये जाते हैं।

मालूम हो कि रकुल जल्द ही एक नई फिल्म छतरी वाली में नजर आने वाली है। फिल्म की शूटिंग तो पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी भी इसकी डबिंग की जा रहीं हैं। रकुल पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की डबिंग कर रहीं हैं जिसके बारे में उन्होंने खुद बताया है।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी में डबिंग स्टूडियो से अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें वे डबिंग करते नजर आ रहीं हैं। इस फोटो के साथ अभिनेत्री लिखती है, तीसरा दिन!!! छतरी वाली डब।

बता दें की रकुल प्रीत सिंह इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी, जिसमें वह एक कंडोम टेस्टर की भूमिका निभाते दिखाई देगी। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। रकुल के अलावा फिल्म में प्राची शाह पांडे भी अहम भूमिका में है।

छतरी वाली का डायरेक्शन तेजस देवस्कर ने किया हैं, और इसे रॉनी स्क्रूवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेकर्स की ओर से फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

सू- दोकू क्र.74

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.73 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

रूस पर प्रतिबंधों का मकड़जाल

डॉ.दिलीप चौबे

यूक्रेन संकट से जुड़ी एक मानवीय समस्या का समाधान होने से मोदी सरकार को बड़ी राहत हुई है।

यूक्रेन में फंसे बीस हजार से अधिक छात्रों और नागरिकों की निकासी किसी भी देश के लिए एक बड़ी समस्या होती। अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की साख का ही नतीजा है कि संघर्षरत दोनों देशों, रूस और यूक्रेन ने प्रधानमंत्री मोदी के अनुरोध और अपील पर अनुकूल रवैया अपनाया तथा ऐसी परिस्थितियां बनीं कि पड़ोसी देशों पोलैंड, हंगरी, स्लोवानिया आदि के जरिए लोगों की निकासी संभव हो पाई। यहां इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि आखिर, भारतीय छात्रों ने सरकार की ओर से बार-बार जारी सलाह पर ध्यान क्यों नहीं दिया। इसका कारण यह था कि भारत के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश हासिल नहीं कर सकने वाले छात्रों के अभिभावक चालीस-पचास लाख रुपये देकर यूक्रेन के मेडिकल कॉलेजों में अपने बच्चों का प्रवेश कराते हैं। छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए यह स्वाभाविक था कि वे जल्दबाजी में शैक्षिक भविष्य को दांव पर नहीं लगाएं। यह भी स्पष्ट नहीं था कि संघर्ष किस पैमाने का होगा। बदलते घटनाक्रम से जाहिर हुआ कि यह संघर्ष व्यापक है, और लंबे समय तक चलेगा।

यूक्रेन में अफगानिस्तान और सीरिया जैसे हालात बन रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यह खतरनाक जुआ क्यों खेला, यह एक पहेली है। क्या पुतिन ने यूक्रेन से रूस के लिए उत्पन्न खतरे का बढ़ा-चढ़ा कर मूल्यांकन किया। क्या रूस जारशाही की तरह किसी विशाल साम्राज्य का सपना देख रहा है। पुतिन समकालीन विश्व में सबसे अधिक समय से सत्ता में बने रहने वाले नेता हैं। दो दशकों से अधिक समय से रूस की बागडोर संभालने वाले पुतिन दुनिया के विभिन्न देशों और नेताओं के साथ निरंतर संवाद में रहे हैं। पश्चिमी देशों की मीडिया पुतिन को दिमागी रूप से असंतुलित और पागल नेता के रूप में पेश कर रही है। पुतिन के बारे में यह धारणा कुछ वर्ष पूर्व से ही फैलाई जा रही है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत और हिलेरी क्लिंटन की हार के बाद से अमेरिकी मीडिया ने पुतिन और रूस के विरुद्ध सूचना युद्ध शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में भी पश्चिमी मीडिया का ऐसा ही रवैया है। मोदी के लिए अनुकूल बात यह है कि पश्चिमी मीडिया के दुष्प्रचार के बावजूद सरकारी स्तर पर इन देशों के नेताओं के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। इतना ही नहीं, भारत इन देशों का रणनीतिक साझेदार है। पुतिन की मुश्किल दोहरी है। वह पश्चिमी मीडिया के लिए हिटलर हैं तो वहां की सरकारों के लिए भी अपराधी जैसे हैं।

नागरिकों की निकासी के बाद मोदी सरकार को इससे भी बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पश्चिमी देशों की ओर से रूस के विरुद्ध लगाए गए प्रतिबंधों के जाल से मुक्त रहना भारतीय विदेश नीति के लिए बड़ी चुनौती होगी। यह प्रतिबंध बहुत व्यापक और सख्त है। आने वाले दिनों में प्रतिबंधों का जाल और सख्त होगा। अभी तक भारत के लिए मिसाइल विरोधी प्रणाली एस-400 को लेकर प्रतिबंधों से मुक्ति का सवाल था। अब यह रक्षा खरीदों के साथ भी सामान्य आर्थिक गतिविधियों के साथ भी जुड़ गया है। भारत की रक्षा प्रणालियों का पिचासी फीसद हिस्सा रूस पर आश्रित है। रूस से हथियारों का आयात भी कुल खरीद का करीब दो-तिहाई है। यह निर्भरता दशकों तक कायम रहने वाली है। भारत रूस के साथ अपने संबंधों को कमजोर करने का जोखिम नहीं उठा सकता। हथियारों के साथ ही भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी रूस को प्रमुख सहयोगी मानता है। भारत के लिए यूरेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र की तरह ही महत्त्वपूर्ण है। भारत इन दोनों क्षेत्रों में अपने हितों की सुरक्षा के लिए प्रयत्नशील है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और महासभा में मतदान में उसने भाग नहीं लिया। रूस के प्रति मौन समर्थन करने के इजहार के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने हाल में क्वाड की शिखर वार्ता में भी भाग लिया। विदेश नीति के कुछ जानकार इसे दो नावों पर सवारी करना कह सकते हैं, लेकिन वास्तव में आज की बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन पर आधारित ऐसी ही विदेश नीति अपरिहार्य है।

एक ही दिन में दुपहिया सवार बदमाशों ने दो महिलाओं की चेन लूटी

देहरादून (सं)। दुपहिया वाहन सवार बदमाशों ने एक ही दिन में दो महिलाओं के गले से चेन लूटकर पुलिस विभाग को चुनौती दे दी। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इंजीनियर एन्क्लेव निवासी आशा महंत ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज प्रात: सवा आठ बजे के करीब पार्क नम्बर-3 के गेट के पास खडी थी तभी स्कूटर पर सवार दो व्यक्ति वहां पर आ ये वह कुछ समझती उससे पहले ही उन्होंने उसके गले पर झपटा मारकर उसकी सोने की चेन लूट ली। उसके शोर मचाने से आसपास के लोग वहां पर आये लेकिन तब दोनों बदमाश वहां से फरार हो चुके थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं डांडीपुर मौहल्ला निवासी अमित जैन की पत्नी प्रीति जैन ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से यमुना कालोनी आयी थी जब वह यमुना कालोनी तिराहे पर पहुंची तभी मोटरसाईकिल सवार दो बदमाशों ने उसके गले पर झपटा मारकर उसकी चेन लूट ली। आसपास के लोगों ने उनको पीछा करने का भी प्रयास किया लेकिन दोनों फरार हो गये थे। एक ही दिन में दो चेन लूट की घटनाओं से पुलिस विभाग में हडकम्प मच गया। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामगढ़ ब्लाक के निकटवर्ती गांव छतोला में एक मैक्स वाहन के खड्डे में गिरने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर राजस्व पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार छतोला निवासी बहादुर राम द्वारा कुछ दिन पूर्व पुरानी मैक्स खरीदी गयी थी और आज सुबह यह गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें बहादुर राम के पुत्र सूरज व 7 वर्षीय नातिन सवार थे। घटना के बाद क्षेत्र में मातम का माहौल है।

पॉलीथिन के खिलाफचलेगा छापामारी अभियान

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। नगर क्षेत्र में शीघ्र ही पॉलीथिन के खिलाफ छापामारी अभियान चलेगा। इसके लिए नगर निगम प्रशासन ने व्यापार सभा श्रीनगर व व्यापार सभा श्रीकोट के माध्यम से व्यापारियों को पॉलीथिन का उपयोग न करने की सूचना जारी कर दी है। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध होने के बावजूद खुले आम इसका उपयोग हो रहा है। जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। श्रीनगर में लंबे समय से पॉलीथिन के उपयोग जोरों पर हो रहा है। कोविड काल में इस पर कोई नियंत्रण न होने के कारण बाजार में पॉलीथिन की भरमार है। इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य निरीक्षक ने व्यापार सभा अध्यक्ष श्रीनगर व व्यापार सभा अध्यक्ष श्रीकोट गंगानाली को पत्र भेजकर व्यापारियों से पॉलीथिन का उपयोग न करने का अनुरोध किया है। कहा जल्द ही नगर क्षेत्र में बृहद स्तर पर पॉलीथिन उन्मूलन अभियान चलाया जाएगा। पॉलीथिन का उपयोग करने के वालों के खिलाफ चालान की कार्यवाही की जाएगी।

महिलाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

पौड़ी (आरएनएस)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत पौड़ी ब्लाक सभागार में वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें एनआरएलएम के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर स्वागत गीत से शुरू किया गया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक संजीव कुमार रॉय ने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। कहा कि विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें, जिससे स्वरोजगार कर आर्थिकी मजबूत बन सकेगी। आयोजित कार्यशाला में विकासखंड पौड़ी, कोट, पाबौ, खिर्सू, कल्जीखाल की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने हिस्सा लिया। परियोजना निदेशक ने आयोजित कार्यशाला में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कहा कि एनआरएलएम की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि समूह में अन्य महिलाओं को भी सामिल करें, जिससे स्वरोजगार बढ़ावा के साथ-साथ आमदनी भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हर तरह की योजनाओं का लाभ लेना जरूरी है, जिससे वर्ष भर आय का साधन बना रहेगा। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध हो, जिससे उन्हें शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। इस दौरान डीडीएम नाबार्ड भूपेन्द्र सिंह ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बैंकिंग एवं समूह सीसीयू की जानकारी दी।

राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने मुख्यमंत्री को दी बधाई

संवाददाता

देहरादून। राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने मुख्यमंत्री आवास पहुंच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिलकर उनको बधाई देने के साथ अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

आज यहां उत्तराखंड राज्य में पांचवी विधान सभा में चुने गये मुख्यमंत्री पुष्करसिहं धामी को आज मुख्यमंत्री निवास पर वधाई देने पहुंचा राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ उत्तराखंड के अध्यक्ष दिनेश गौसाई,एव महासचिव के नेतृत्व में परिवहन निगम कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री दिनेश पन्त, व प्रेमसिहं रावत ,विपिन विजल्णवान, पेयजल निगम कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष विजय खाली व महामंत्री गौरव वडथ्वाल, धर्मेंद्र चौधरी,तथा उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संयुक्त मोर्चे के मुख्य संयोजक रमेश विंजौला, श्यामसिहं नेगी, शीशपाल रावत,संदीप मल्होत्रा,,जगमोहन बिष्टं, प्रवीण गोसाईं, धनसिंह चौहान, पवन केडिया, वन विकास निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बीरेन्द्र रावत, टी एस बिष्ट, राजेन्द्र सेमवाल, गढवाल मण्डल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष एम एम चौधरी आदि शामिल थे। महासंघ के अध्यक्ष दिनेश गौसाई द्वारा मुख्यमंत्री पुष्करसिहं धामी को बधाई देते हुए सार्वजनिक निगमो के कार्मिकों को समय से वेतन न होने के कार्मिकों के वेतन भत्तों को दिये जाने की बात रखी गयी। महासंघ के महासचिव बी एस रावत द्वारा मुख्यमंत्री को बधाई देते हुये सार्वजनिक निगमो के लिये एक अलग से निदेशालय खोलने की बात रखी गयी। इस दौरान मा मुख्यमंत्री समस्याओं के समाधान का भरोसा देते हुये शीघ्र महासंघ के साथ बैठक करने का आश्वासन दिया गया। मुख्यमंत्री को बधाई देने के पश्चात महासंघ का प्रतिनिधि मण्डल, गणेशजोशी को बधाई देने उनके निवास पर पहुंचा। मंत्री को भी इस दौरान सार्वजनिक निगमों मे समय से वेतन / भत्तों को लागू कराने का अनुरोध किया गया।

चंदन राम दास ने शहीदों को नमन किया

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद चंदन रामदास ने शहीद स्थल पहुंच शहीदों को नमन किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास ने शहीद स्मारक स्थल, कचहरी पहुंचकर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर चंदन राम दास को दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मंडल के पद अधिकारियों ने माला पहनाकर मंत्री बनने पर बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेखर फुलारा विशेष आमंत्रित सदस्य सुरेश गुप्ता, संगठन मंत्री रोहित बहल, युवा अध्यक्ष मनन आनंद, युवा सचिव दिव्य सेठी, संयोजक विवेक सेठी, सदस्य रजत गुप्ता, संयोजक अशोक अग्रवाल मौजूद रहे।

एक किलो चरस सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से एक किलो चरस बरामद की है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम एसओजी टिहरी व थाना मुनि की रेती पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की खेप सहित आने वाला है। सूचना पर संयुक्त कार्यवाही करते हुए एसओजी व पुलिस टीम क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को ब्रहमानंद मोड़ पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान संयुक्त टीम द्वारा उसके पास से एक किलो चरस बरामद की गयी। पूछताछ में उसने अपना नाम डबल सिंह राणा पुत्र स्व. दर्शन सिंह राणा निवासी घनसाली टिहरी गढ़वाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। बरामद चरस की कीमत एक लाख रूपये बतायी जा रही है।

एक नजर

बीरभूम हिंसा मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष जांच दल को बीरभूम हिंसा मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने को कहा है। कोर्ट ने सात अप्रैल तक रिपोर्ट मांगी है। अदालत का कहना है कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य और घटना के प्रभाव से संकेत मिलता है कि राज्य पुलिस मामले की जांच नहीं कर सकती है। इससे पहले हिंदू सेना के अध्यक्ष द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें

एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली एसआईटी द्वारा बीरभूम हिंसा की जांच की मांग की गई। बंगाल के बीरभूम में २२ मार्च को घरों में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना एक दिन पहले टीएमसी नेता की हत्या के बाद हुई थी। मरने वालों में तीन महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। मृतकों में एक नवविवाहित जोड़ा लिली खातून और काजी साजिदुर भी शामिल हैं। ऑटोप्सी रिपोर्ट में कथित तौर पर कहा गया है कि पीड़ितों को जिंदा जलाने से पहले पीटा गया था। इस घटना ने स्थानीय लोगों को रामपुरहाट के बोगटुई गांव से भागने के लिए प्रेरित किया, जहां हिंसा हुई थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ितों के परिवारों के लिए ५ लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर चलती कार में आग लगी, 3 युवकों ने कूदकर बचाई जान

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेसवे पर चलती कार में बीती रात को आग लग गई और उसमें सवार तीन लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के सेक्टर १४८ के पास तीन युवक कहीं जा रहे थे, उसी बीच उनकी टैरैनो कार के टायर में अचानक आग लग गई। अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आग ने देखते ही देखते पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया एवं तीनों युवकों ने चलती कार से कूदकर अपनी जान बचाई। उन्होंने बताया कि दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आसपास के लोगों का कहना है कि जब कार में आग लगी थी तो जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके के वजह से लोगों में दहशत फैल गई। इसी एक्सप्रेसवे पर साल २०१६ में बिहार की ओर जाने वाली एक यात्री बस पलट गयी थी जिसमें १२ लोग घायल हुए थे।

पुलिस एनकाउंटर में एक लाख का ईनामी ढेर

लखनऊ। मुख्यमंत्री के शपथ से कुछ घंटे पूर्व ही पुलिस ने एक लाख के ईनामी रहे बदमाश राहुल को मुठभेड़ में मार गिराया है। मारे गये बदमाश राहुल द्वारा बीते वर्ष दिसम्बर माह में अपने साथियों सहित अलीगंज स्थित तिरुपति ज्वेलर्स में एक कर्मचारी की हत्या कर लूटपाट की गयी थी। जिसके बाद पुलिस प्रशासन द्वारा उस पर एक लाख का ईनाम रखा गया था। बता दें कि बदमाश

राहुल द्वारा 8 दिसम्बर 2021 को अपने साथियों सहित तिरूपति ज्वैलर्स में लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार आज तड़के करीब तीन बजे पुलिस बंधा रोड हेल्थ हास्पिटल, हसनगंज के समीप चैकिंग कर रही थी। इस दौरान एक बिना नम्बर की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार युवक को रोका गया। पुलिस चैकिंग को देखते ही बाइक सवार युवक भागने लगा। इस पर पुलिस टीम द्वारा संदेह होने पर उसका पीछा किया गया। बताया जा रहा है कि पुलिस को पीछा करते देख भाग रहे युवक ने फायरिंग शुरू कर दी वहीं जवाबी फायरिंग में वह बुरी तरह घायल हो गया। जांच करने पर पता चला कि मुठभेड़ में घायल युवक एक लाख का इनामी शाहजहांपुर निवासी राहुल सिंह है। जिसको अस्पताल ले जाया गया था, जहां से उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल में डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने राहुल के पास से अवैध हथियार, कारतूस व कुछ जेवरात भी बरामद किये गये है।

मरीज की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

हमारे संवाददाता

देहरादून। मरीज की मौत के बाद परिजनों द्वारा आज राजधानी दून के एक निजी अस्पताल में जमकर हंगामा किया गया। परिजनो ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर मामले को शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

जानकारी के अनुसार आज देहरादून के एक निजी अस्पताल में एक मरीज की अचानक मौत हो गयी। जिसके बाद मृतक के परिजनों द्वारा अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा शुरू कर दिया गया। अस्पताल में हंगामें की खबर सुनकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को किसी तरह शांत करवाया गया। परिजनों की मांग पर अस्पताल प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। वहीं अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीज को डिस्चार्ज किया जा रहा था इस दौरान अचानक आये अटैक के चलते मरीज की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि बीती 21 मार्च को सहारनपुर निवासी दीपक नाम के मरीज को उक्त अस्पताल में भतीग कराया गया था। परिजनों के मुताबिक पेट दर्द की थी उनके मरीज को पेट दर्द की समस्या थी। जिसकी हालत में सुधार न होने के चलते उसे चंडीगढ़ पीजीआई रैफर किया जा रहा था।

अमिताभ बच्चन पहुंचे जौलीग्रांट एयरपोर्ट

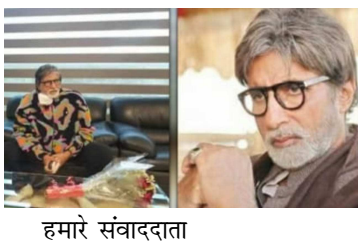

हमारे संवाददाता

देहरादून। बॉलीवुड के 'बिग बी' अमिताभ बच्चन आज देहरादून पहुंच गये है। अमिताभ बच्चन सुबह लगभग 12 बजे देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। अमिताभ बच्चन की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक उनकी तरफ दौड़ पड़े, लेकिन सुरक्षा कारणों के मद्देनजर किसी को भी अमिताभ बच्चन के पास नहीं जाने दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जौलीग्रांट एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद अमिताभ बच्चन सीधे अपनी गाड़ी से नरेंद्रनगर में स्थित आनंदा होटल चले गए हैं। बताया जा रहा है कि अमिताभ बच्चन कुछ दिनों तक यहीं पर रुकेंगे।

अमिताभ बच्चन ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट के निर्देशक प्रभाकर मिश्रा से भी मुलाकात की और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। एयरपोर्ट पर अमिताभ बच्चन कुछ ही देर के लिए रूके थे।

नाबालिग से बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग से बलात्कार कर उसको गर्भवती करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाबालिग ने गाजीपुर दिल्ली थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि सेलाकुई पीठ वाली गली में शाहजहां पुर उत्तर प्रदेश निवासी शाहनवाज पुत्र जाबिर ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया जिससे वह गर्भवती हो गयी। उसने किसी को बताने पर उसको जान से मारने की ध मकी दी थी। गाजीपुर थाना पुलिस ने शून्य में मुकदमा दर्ज कर मामला सेलाकुई थाने को भेज दिया। सेलाकुई थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को देर रात्रि गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दियां।

कलयुगी पिता ने मासूम का गला घोंटकर किया जान से मारने का प्रयास

हमारे संवाददाता

हल्द्वानी। पत्नी से झगड़े के बाद अपने गुस्से पर काबू न कर पाने के कारण एक कलियुगी पिता ने अपनी नाबालिग बेटी का गला घोटकर जान से मारने का प्रयास किया। हालांकि इस दौरान चीख पुकार सुनकर मासूम का ताऊ आ गया और उसने किसी तहर कलयुगी पिता के पंजे से उसे छुड़ा दिया। जिससे मासूम की जान तो बच गयी लेकिन उसके अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने कलयुगी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार देवलचौड़ निवासी एक महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया कि जब वह किसी जरूरी काम से घर से बाहर गई हुई थी। उसी दौरान उसकी 13 वर्षीय बेटी स्कूल से घर लौटी। बताया कि उस समय घर पर महिला का पति कमल राम मौजूद था। इस दौरान पिता ने बेटी से कहा कि वह बिस्तर पर लेट जाए। वह नहीं लेटी तो पति ने जान से मारने की नियत से उसका गला घोंट दिया। बेटी के चिल्लाने पर जेठ किशन सिंह ने घर पहुंचकर बेटी को बचाया। पति ने गला इतनी जोर से पकड़ा था कि बेटी की आंखों में सूजन थी व खून जम चुका था बच्ची का इलाज कराया जा रहा है।

महिला ने बताया कि घटना के दिन सुबह उसकी पति के साथ किसी बात को लेकर बहस हो गई थी। महिला का मानना है कि इसी रंजिश में पति ने बेटी को जान से मारने की कोशिश की है। फिलहाल कोतवाली में मुकदमा दर्ज हो गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

दुष्कर्म व पोक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नाबालिग को भगा ले जाने तथा दुष्कर्म व पोक्सों एक्ट के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 मार्च को एक व्यक्ति द्वारा थाना दिनेशपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी नाबालिग पुत्री को धीरज मण्डल पुत्र संदीप मण्डल निवासी श्रीरामपुर, थाना दिनेशपुर, जिला उधमसिंहनगर द्वारा बहला फुसलाकर भगा ले जाया गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी धीरज मण्डल की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बीते रोज बहराईज नेपाल बार्डर के पास ग्राम भिंगा जिला श्रीवस्ती के एक होटल से गिरफ्तार कर उसके पास से नाबालिग को बरामद कर लिया गया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने मुकदमें में दुष्कर्म की धारा को बढ़ाते हुए उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।